International Journal in Management and Social Science
Volume 13 Issue 8 ,Aug 2025 ISSN: 2321-1784 Impact Factor: 8.088
Journal Homepage: http://ijmr.net.in, Email:irjmss@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal

राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 में महिला मतदान व्यवहार का विश्लेषण, सहभागिता और प्रतिनिधित्व

*** लखन कुमार मीना (शोधार्थी, राजनीति विज्ञान, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान)**

*** डॉ. विक्रांत कुमार शर्मा (सहायक आचार्य (लोक प्रशासन), सामाजिक विज्ञान विभाग, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान)**

सारांश

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2013 से राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। 2013 के चुनाव में महिला मतदाताओं ने पहली बार पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान करके अपनी मतदान सहभागिता में अभूतपूर्व वृद्धि की है। जिसके बाद से यही ट्रेंड 2018 व 2023 के विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिला, जहाँ महिला मतदान प्रतिशत पुरुषों की तुलना में अधिक दर्ज किया गया। जिससे महिलाओं की बढ़ती राजनीतिक जागरूकता का पता चलता है। इससे ज्ञात होता है कि कैसे राजनीतिक दलों की महिला केंद्रित रणनीतियों ने महिलाओं को स्वतंत्र मतदान व्यवहार के लिए प्रभावित किया। जिससे अब महिलाओं को निर्णायक वोट बैंक के रूप में समझा जाने लगा है। लेकिन यह मान्यता अभी तक महिलाओं को उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व और निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में समान हिस्सेदारी प्रदान करने में सहायक नहीं हुई है। यह आलेख महिला मतदान में हुई रिकॉर्ड वृद्धि और विधानसभा में चुनी गई महिला विद्यालयों की संख्या में आई कमी के बीच का गहन विश्लेषण करता है।

राजस्थान की 16 वीं विधानसभा के चुनाव के लिए 25 नवंबर 2023 को मतदान हुआ, जिसके नतीजे 3 दिसंबर 2023 को घोषित किए गए। इन्हीं नतीजों के आधार पर इस शोध पत्र में महिला मतदान व्यवहार और प्रतिनिधित्व का विश्लेषण किया गया है

प्रमुख शब्द : मतदान व्यवहार, महिला सहभागिता, प्रतिनिधित्व, विधानसभा, मतदाता, चुनाव, राजनीतिक दल।

प्रस्तावना

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भूमिका एक जटिल पहलू है। दशकों तक महिलाओं को अक्सर परिवार व समाज के दबाव में मतदान करने वाला एक निष्क्रिय समूह माना जाता रहा है। लेकिन अब यह धारणा बदल रही है, क्योंकि महिलाओं मे अब राजनीतिक जागरूकता का विकास हुआ है, और महिलाएं एक स्वतंत्र और जागरूक राजनीतिक शक्ति के रूप में उभर रही हैं। यह बदलता परिदृश्य

राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 में भी दिखाई दिया, जहां महिला मतदाताओं की भागीदारी ने सभी पारंपरिक अपेक्षाओं को पीछे छोड़ दिया और पुरुषों से अधिक मतदान किया।

यह शोध पत्र राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 के विशेष संदर्भ में महिला मतदान व्यवहार का विश्लेषण करने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य मतदान सहभागिता के परिणामों का विश्लेषण करना, इन रुझानों के पीछे के प्रेरक कारकों की पहचान करना और महिला मतदान में वृद्धि तथा उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व में कमी के बीच के विरोधाभास का आंकलन करना है। यह अध्ययन उपलब्ध आंकड़ों का उपयोग करके मतदान पैटर्न की तुलना 2013 व 2018 के विधानसभा चुनाव से करता है, क्षेत्रीय भिन्नताओं की जांच करता है, प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा अपनाई गई रणनीतियों का मूल्यांकन करता है, और नीतिगत निहितार्थों पर चर्चा करता है।

मतदान सहभागिता का तुलनात्मक विश्लेषण

राजस्थान में 25 नवंबर, 2023 को हुए विधानसभा चुनाव में कुल 75.33% मतदान दर्ज किया गया। यह आंकड़ा 2018 के चुनाव में हुए 74.72% मतदान से 0.61 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। हालाँकि, इस समग्र वृद्धि से भी अधिक महत्वपूर्ण मतदान के लैंगिक पैटर्न में आया बदलाव है। ईवीएम से हुए मतदान में महिलाओं ने 74.72% मतदान किया, जो कि पुरुष मतदान प्रतिशत 74.53% से अधिक है। ये आंकड़े मतदान व्यवहार में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को दर्शाते हैं। मतदान व्यवहार में यह बदलाव महिलाओं की बढ़ती राजनीतिक जागरूकता का संकेत है। इससे साबित होता है कि अब महिलाएं परिवार व समाज के पारंपरिक सामाजिक मापदंडों के परे जाकर अपने निर्णय ले रही हैं। यह बदलाव संभवतः राजनीतिक दलों द्वारा शुरु की गई महिला केंद्रित योजनाओं और घोषणाओं के सीधे प्रभाव का परिणाम है, जिसने उन्हें एक स्वतंत्र और प्रतिक्रियाशील वोट बैंक के रूप में मान्यता दी है।

राजस्थान में महिला मतदान प्रतिशत का पुरुषों से आगे निकलना एक विशिष्ट घटना है, जो 2023 में हुए अन्य राज्यों के चुनावों में समान रूप से नहीं देखी गई। उदाहरण के लिए, मध्य प्रदेश में, महिला मतदान प्रतिशत 76.03% था, जो पुरुष मतदान 78.21% से 2.18% कम रहा। यह तुलना दर्शाती है कि राजस्थान में महिला मतदाताओं का व्यवहार उन विशिष्ट कारकों का परिणाम था जो अन्य राज्यों में मौजूद नहीं थे या कम प्रभावी थे। यह विशिष्ट प्रवृत्ति संभवतः कांग्रेस सरकार द्वारा लागू की गई महिला-केंद्रित जन-कल्याणकारी योजनाओं जैसे इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना और 500रुपये में गैस सिलेंडर की पहल, और साथ ही भाजपा द्वारा केंद्र की 'नारी शक्ति' पहल के तहत किए गए राज्य-स्तरीय वादों का परिणाम था। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि केवल राष्ट्रीय मुद्दे ही नहीं बल्कि प्रभावी स्थानीय शासन और महिला-केंद्रित जन-कल्याणकारी योजनाओं का संयोजन भी महिला मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने के लिए आवश्यक है।

तालिका 1: राजस्थान विधानसभा चुनाव - 2013, 2018 व 2023 में कुल एवं लिंग-वार मतदान प्रतिशत की तुलना

वर्ष	पुरुष मतदान (%)	महिला मतदान (%)	कुल मतदान (%)
2013	74.67	75.44	75.04
2018	74.57	74.67	74.72
2023	74.53	74.72	75.33

सर्वाधिक और न्यूनतम मतदान वाले विधानसभा क्षेत्र

2023 के विधानसभा चुनाव में महिला मतदान में उल्लेखनीय भिन्नता देखी गई। सर्वाधिक महिला मतदान प्रतिशत पोकरण (88.23%), कुशलगढ़ (87.54%) और तिजारा (85.45%) विधानसभा क्षेत्रों में दर्ज किया गया। वहीं जोधपुर (62.97%) टोड़ाभीम (63.2%) और बामनवास (63.3%) विधानसभा क्षेत्रों में न्यूनतम महिला मतदान दर्ज किया गया।

यह भिन्नता इस बात को दर्शाती है कि मतदान को प्रभावित करने वाले कारक केवल राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों तक ही सीमित नहीं होते हैं। जिन विधानसभा क्षेत्रों में अधिक मतदान हुआ, वे स्थानीय मुद्दों, उम्मीदवारों की विशिष्ट अपील व गहन सामाजिक लामबंदी के केंद्र थे। उदाहरण के लिए पोकरण विधानसभा सीट पर दो सम्प्रदायों के धार्मिक नेताओं के बीच सीधा मुकाबला था, जिसने मतदाताओं में व्यापक उत्साह और लामबंदी को बढ़ावा दिया। वहीं कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र जैसे आदिवासी-बहुल क्षेत्रों में राजनीतिक चेतना और दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी अंचल में नई उदय हुई भारत आदिवासी पार्टी (BAP) का प्रभाव था। यह दर्शाता है कि महिलाओं की मतदान प्राथमिकताएं राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों के साथ ही उनकी स्थानीय पहचान व क्षेत्रीय मुद्दों से भी प्रभावित होती हैं।

तालिका 2: राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 में सर्वाधिक और न्यूनतम महिला मतदान वाले विधानसभा क्षेत्र

सर्वाधिक	विधानसभा क्षेत्र	जिला	महिला मतदान (%)
1	पोकरण	जैसलमेर	88.23

2	कुशलगढ़	बांसवाड़ा	87.54
3	तिजारा	अलवर	85.45
न्यूनतम	विधानसभा क्षेत्र	जिला	महिला मतदान (%)
1	जोधपुर	जोधपुर	62.97
2	टोड़ाभीम	करौली	63.20
3	बामनवास	सवाई माधोपुर	63.30

मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक

महिला मतदाता एक सजातीय समूह नहीं हैं । उनके मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले अनेक कारक हैं। सामाजिक-आर्थिक कारक जैसे जाति, धर्म, वर्ग, उम्र, स्थान, शिक्षा, आय आदि कारक राजनीतिक गतिविधियों में उनकी भागीदारी को निर्धारित करते हैं । उच्च वर्ग की महिलाएं चुनावी राजनीति में निम्न वर्ग की महिलाओं की तुलना में अधिक सक्रिय पाई जाती हैं। उम्र भी भागीदारी के साथ एक सकारात्मक संबंध रखती है, जहाँ उम्र बढ़ने के साथ-साथ चुनावी गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ती जाती है । इसलिए पार्टियों द्वारा शुरु की गई महिला-केंद्रित योजनाओं का प्रभाव भी इन कारकों के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

राजनीतिक दलों की रणनीतियाँ और महिला-केंद्रित चुनावी वादे

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में यह स्पष्ट हो गया कि दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों ने महिला मतदाताओं को एक महत्वपूर्ण और निर्णायक वोट बैंक के रूप में मान्यता दी है।

दोनों दलों ने अपने घोषणा-पत्रों में महिलाओं के लिए विशिष्ट और आकर्षक वादे किए। भाजपा के 'संकल्प-पत्र' में केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा, 12वीं पास लड़कियों के लिए मुफ्त स्कूटी, हर जिले में 'एंटी रोमियो स्क्वाड' का गठन, 'लखपति दीदी' योजना की शुरुआत और 'मातृत्व वंदना योजना' के तहत मिलने वाली राशि को ₹ 5,000 से बढ़ाकर ₹ 8,000 करने जैसे वादे शामिल थे । इन वादों का उद्देश्य सीधे तौर पर महिला सुरक्षा, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण जैसे मुद्दों को संबोधित करना था।

वहीं, कांग्रेस ने भी अपने घोषणा-पत्र में 'गृह लक्ष्मी गारंटी' के तहत घर की महिला मुखिया को सालाना ₹ 10,000 की आर्थिक सहायता देने, ₹ 500 में गैस सिलेंडर प्रदान करने, और महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा के लिए कूपन देने जैसे वादे किए । इन वादों का लक्ष्य महिला मतदाताओं को आर्थिक राहत प्रदान करना था। इन सभी महिला-केंद्रित वादों ने महिला मतदाताओं को यह संदेश दिया कि उनके मुद्दों को राजनीतिक दलों द्वारा गंभीरता से लिया जा रहा है, और यही कारण था कि महिलाओं ने मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। भाजपा की जीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने विजयी भाषण में 'नारी शक्ति' को जीत का श्रेय देना इस बात का संकेत है कि इन रणनीतियों ने महिला मतदाताओं के एक बड़े हिस्से पर सकारात्मक प्रभाव डाला।

तालिका 3: राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 में प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं के लिए की गई घोषणाएं

पार्टी	घोषणा का प्रकार	विवरण
भाजपा	आर्थिक सहायता	1.लाड़ो प्रोत्साहन योजना के तहत बेटी के जन्म पर 2 लाख का सेविंग बॉन्ड 2. लखपति दीदी योजना
	शिक्षा	1. केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा 2.12वीं पास छात्राओं के लिए स्कूटी योजना 3.शिक्षक भर्ती में 50% महिला आरक्षण
	सुरक्षा	1.प्रत्येक जिले में महिला थाना 2.एंटी रोमियो स्क्वाड का गठन 3.पुलिस भर्ती में 33% महिला आरक्षण 4.RAC में 3 महिला बटालियन

कांग्रेस	आर्थिक सहायता	1.गृह लक्ष्मी गारंटी के तहत महिला मुखिया को सालाना 10,000 रुपये की सहायता 2.500रु में गैस सिलेंडर 3.रोडवेज बसों में यात्रा के लिए हर महीने एक फ्री कूपन
	स्वास्थ्य	1.सरकारी कॉलेज के पहले साल में लैपटॉप या टैबलेट वितरण 2. RTE के तहत 12वीं तक की शिक्षा
	सुरक्षा	1.महिला सुरक्षा हेतु प्रहरियों की नियुक्ति 2.महिला न्यायालयों की स्थापना

मतदान सहभागिता और राजनीतिक प्रतिनिधित्व

इस शोध पत्र का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष महिला मतदान में हुई वृद्धि और उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व में आई कमी के बीच का विश्लेषण करना है।

2018 के विधानसभा चुनाव में 24 महिला विधायक निर्वाचित हुई थी। जबकि, 2023 में यह संख्या घटकर 20 रह गई, जिसमें भाजपा और कांग्रेस दोनों की नौ-नौ और दो निर्दलीय महिला विधायक शामिल हैं। महिला विधायकों की संख्या कम होने का कारण 2023 के विधानसभा चुनाव में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा पहले की तुलना में महिलाओं को कम टिकट देना भी है। 2018 में भाजपा ने 23 और कांग्रेस ने 27 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया, जबकि 2023 में भाजपा ने 20 और कांग्रेस ने 28 महिलाओं को टिकट दिया।

ये आंकड़े मतदान व्यवहार में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता और उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व में आयी कमी के बीच के अंतर को उजागर करते हैं। महिला मतदाताओं ने पुरुषों को पछाड़कर मतदान में अपनी सक्रियता का प्रदर्शन किया, फिर भी उनकी संख्या विधानसभा में कम हो गई। यह दर्शाता है कि राजनीतिक दल महिलाओं को एक प्रभावी वोट बैंक के रूप में तो देख रहे हैं, लेकिन उन्हें उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के लिए अभी भी पूरी तरह तैयार नहीं हैं। इससे साबित होता है कि महिलाओं की बढ़ी हुई भागीदारी अभी तक उन्हें राजनीतिक निर्णय-निर्माण की प्रक्रियाओं के केंद्र में नहीं ला पाई है। यह विरोधाभास 'नारी शक्ति' की धारणा और राजनीतिक वास्तविकता के बीच की खाई को दर्शाता है। और भविष्य में नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 (महिला आरक्षण अधिनियम) जो कि महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण प्रदान करेगा के कार्यान्वयन के महत्व को रेखांकित करता है, जिसका उद्देश्य इस असंतुलन को ठीक करना और महिलाओं को उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करना है।

तालिका 4: राजस्थान विधानसभा में चुनी गई महिला विधायकों की संख्या (1952-2023)

चुनाव-वर्ष	महिला उम्मीदवार	निर्वाचित महिला विधायक
1952	4	0
1957	21	9
1962	15	8
1967	19	6
1972	17	13
1977	31	8
1980	31	10
1985	45	17
1990	93	11
1993	97	10

1998	69	14
2003	118	12
2008	154	28
2013	166	28
2018	189	24
2023	183	20

निष्कर्ष एवं सुझाव

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 ने महिला मतदाताओं की बढ़ती राजनीतिक शक्ति को निर्णायक रूप से स्थापित किया है। इस चुनाव में महिला मतदाताओं ने न केवल अपनी मतदान सहभागिता में वृद्धि की, बल्कि पुरुष मतदाताओं को पीछे छोड़ते हुए एक ऐतिहासिक उपलब्धि भी दर्ज की। यह प्रवृत्ति राजनीतिक दलों द्वारा अपनाई गई लक्षित महिला-केंद्रित नीतियों और चुनावी वादों का प्रत्यक्ष परिणाम है। हालांकि, इस उत्साहजनक मतदान वृद्धि के साथ-साथ एक गहरा विरोधाभास भी सामने आया है। महिलाओं की मतदान में बढ़ी हुई भागीदारी के बावजूद विधानसभा में उनके प्रतिनिधित्व की संख्या में कमी आई है। यह विरोधाभास इस बात को उजागर करता है कि राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को वोट बैंक के रूप में मान्यता देने और उन्हें नेतृत्व के पदों पर समान प्रतिनिधित्व देने के बीच में एक महत्वपूर्ण खाई बनी हुई है।

महिला सशक्तिकरण के लिए राजनीतिक प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी केवल मतदान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। राजनीतिक दलों को महिलाओं को समान हिस्सेदारी देकर और उन्हें नेतृत्व के पदों पर बढ़ावा देकर उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना चाहिए। महिला आरक्षण अधिनियम-2023 एक महत्वपूर्ण कदम है, और इसका समय पर प्रभावी कार्यान्वयन भविष्य में प्रतिनिधित्व के इस अंतर को कम करने में मदद करेगा।

संदर्भ सूची

1. मैनेजमेंट ऑफ इलेक्शन्स एंड स्टेटिस्टिकल इन्फॉर्मेशन, 16th विधानसभा जनरल इलेक्शन्स-2023 इन राजस्थान, चीफ इलेक्टॉरल ऑफिसर, राजस्थान
2. मैनेजमेंट ऑफ इलेक्शन्स एंड स्टेटिस्टिकल इन्फॉर्मेशन, 15th विधानसभा जनरल इलेक्शन्स-2018 इन राजस्थान, चीफ इलेक्टॉरल ऑफिसर, राजस्थान
3. स्टेटिस्टिकल रिपोर्ट ऑन जनरल इलेक्शन-2013, टू द लेजिस्लेटिव असेंबली ऑफ़ राजस्थान, इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
4. संकल्प पत्र – 2023, भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान
5. राजस्थान जन घोषणा पत्र–II 2023, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
6. https://www.eci.gov.in
7. https://election.rajasthan.gov.in
8. https://assembly.rajasthan.gov.in
9. https://ceomadhyapradesh.nic.in
10. https://www.csds.in
11. दैनिक भास्कर
12. राजस्थान पत्रिका